प्रेस व्यक्तव्य
5 जुलाई, 2025

पंजीकरण बढ़ा, रोजगार घटा: **73** लाख में से सिर्फ **20** लाख परिवारों ने किया काम

लिबटेक इंडिया द्वारा जारी मनरेगा पर नवीनतम रिपोर्ट (वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए) में झारखंड की स्थिति पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जहां एक ओर मनरेगा में पंजीकरण करने वाले परिवारों की संख्या बढ़ी है, वहीं उन्हें दिया जाने वाला रोजगार घट गया है। यह रिपोर्ट झारखंड की तुलना पिछले वर्ष (2023-24) के आंकड़ों से करती है, और राष्ट्रीय तथा पड़ोसी राज्यों के आँकड़ों के आधार पर झारखंड की स्थिति को समझने की कोशिश करती है। यह विश्लेषण 8 मई 2025 तक के सरकारी आंकड़ों पर आधारित है।

🔍 रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

🗒️ पंजीकरण बढ़ा, लेकिन रोजगार घटा:

वित्तीय वर्ष 2024-25 में परिवारों के पंजीकरण में 5.2% की वृद्धि हुई है, लेकिन कार्य करने वाले पंजीकृत परिवारों और मज़दूरों की भागीदारी में क्रमशः **7.4%** और **9.7%** की गिरावट दर्ज की गई।

➢ पूरे भारत में कार्य करने वाले परिवारों में **3.5%** की गिरावट आई, जिससे झारखंड की स्थिति और भी कमजोर दिखती है।

📉 मानव-दिवस **(Persondays)** सृजन में ज़्यादा गिरावट:

झारखंड में मनरेगा अंतर्गत पंजीकरण बढ़ने के बावजूद मानव-दिवसों में **8%** की गिरावट दर्ज की गई, जो एक चिंताजनक प्रवृत्ति है क्योंकि यह राष्ट्रीय स्तर पर हुई **6.9%** की गिरावट से भी अधिक है। यह साफ़ संकेत देता है कि पंजीकरण बढ़ने के बावजूद लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है।

💯 **100** दिन काम पाने वालों की संख्या में भारी गिरावट

झारखंड में 100 दिन काम पूरा करने वाले परिवारों की संख्या **18%** घटी, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह गिरावट 9.3% रही।

➢ लगभग **82** हजार परिवारों ने **100** दिन का रोजगार पूरा किया, 2023-24 के 1 लाख परिवारों की तुलना में कम है।

🌍 झारखंड के जिलों में असमानता:

राज्य के **24** में से **20** जिलों में मानव-दिवस में गिरावट दर्ज की गई।

➢ सबसे ज़्यादा मानव-दिवस में गिरावट वाले जिले: साहेबगंज **(27%),** जामताड़ा **(22.9%),** रामगढ़ **(18.6%),** लोहरदगा **(18.5%)** हैं

- चार जिलों में से गढ़वा जिले में सबसे ज्यादा **2.7%** मानव-दिवस की वृद्धि 2024-25 में हुई है ।

- चार आदिवासी बहुल जिलों- खूंटी, सिमडेगा, गुमला, और पश्चिम सिंहभूम में नकारात्मक रुझान दिखा: इन जिलों में मानव-दिवस में क्रमशः 8.8%, 11.6%, 10.7%, और 5.8% की गिरावट हुई।

📆 वितीय वर्ष **2024-25** के दौरान रोजगार में उतार-चढ़ाव

वितीय वर्ष की शुरुआत एक सकारात्मक रुझान के साथ हुई, जहाँ अप्रैल 2024 में पिछले वर्ष अप्रैल 2023 की तुलना में 6.2% अधिक मानव-दिवस उत्पन्न किए गए। इसके बाद मई से सितंबर के बीच मानव-दिवसों में तेज़ गिरावट दर्ज की गई, गिरावट का कारण मानसून में अधिक और समय से बारिश होना हो सकता है। लेकिन अक्टूबर से जनवरी के बीच FY 2024-25 में मज़बूत सुधार देखने को मिला।

💸 घोषित मजदूरी दर बढ़ने के बावजूद प्राप्ति दर कम

झारखंड में मजदूरों को घोषित मजदूरी से औसतन 10% कम भुगतान मिला, जो पिछले साल 10.6% था। 2024-25 में घोषित मजदूरी 272 रूपये थी, लेकिन औसतन मजदूरी 245 रूपये ही मजदूरों को मिला ।

- घोषित मजदूरी में वृद्धि के बावजूद, 2024-25 में अकुशल मजदूरी पर खर्च 2023-24 की तुलना में **₹95.2** करोड़ घट गया।

📌 रिपोर्ट के बारे में:

यह ट्रैकर लिबटेक इंडिया की झारखंड और अन्य राज्यों में मनरेगा क्रियान्वयन की निगरानी और विश्लेषण की एक सतत कोशिश का हिस्सा है। इसका उद्देश्य नागरिकों, नीति निर्माताओं और मीडिया को सरल और विश्वसनीय आंकड़ों के साथ जानकारी देना है।

🔗 पूरी रिपोर्ट पढ़ें: http://libtech.in या लिंक पर क्लिक करें
📩 संपर्क करें: vivek.gupta@libtech.in | ☎️ +91 8873341415,
devahuti@libtech.in | ☎️ 9836323971,
manisha@libtech.in | ☎️ 7838061672
📱 फ़ॉलो करें: Twitter, Facebook, LinkedIn, WhatsApp: @LibTechIndia